श्री अभिनंदन आदिनाथ दादाका जय जयकार हो
श्री नेमि - विज्ञान - कस्तूर - चंद्रोदय - अशोकचंद्र - सोमचंद्रसूरिभ्यो नम :

# विश्व के सकल जैन श्री संघो को श्रुतज्ञान लेखित निबंध स्पर्धा आमंत्रण

# *International Jain Essay Competition*

## मुंबई सायन श्वे. जैन श्री संघ आयोजित
## श्री सरस्वती भक्ति ग्रुप संचालित

एक कदम जिनशासन की ओर... चलो एक और ज्ञान का दीपक जलाए...

**मार्गदर्शक तथा प्रेरक**

जिनशासन शणगार प.पू.आ.श्री विजय चन्द्रोदयसूरीश्वरजी म.सा के
शिष्यरत्न सरस्वती साधक प.पू.आ.श्री विजय कुलचन्द्रसूरीश्वरजी म.सा

जैन शासन / संघ के प्रबुद्ध प्रोफेसर, पंडित, विद्वान, टीचर और टेलेन्टेड युवा ज्ञान प्रतिभाओ को स्पेश्यल आमंत्रण।

**स्पर्धा क्यो ?**

प्रभुवचनो का विश्व में विस्तार हो। ज्ञानावरणीय कर्मो का क्षयोपशम हो।
आपश्री के अमूल्य विचारो और ज्ञान विश्व तक पहोंचे।
सुषुप्त बने हुए ज्ञान चेतना को जागृत करने... बढाने...
और समझने.... आप सबको हार्दिक आमंत्रण..

**Registration Details**

Register only on **jainuniversity.org** **15 Nov 2019** to **31 Dec 2019**

**Essay Submission**

Submit only on **29 Dec** to **31 Dec 2019** or **13 Jan** to **15 Jan 2020**

## प्लीझ वन मीनीट / महत्त्व की सूचनाए

१) स्पर्धको A4 साईझ के फिक्स ७ से ८ पेज का कोई भी एक निबंध लिखना आवश्यक है।

२) अलग - अलग निबंध के, अलग - अलग कवर पर निबंध के नंबर लिख कर पूरे एड्रेस के साथ संपर्क सूत्र पर पहुंचा दे।

३) jainuniversity.org/googleform पर 15 Nov to 31 Dec 2019 तक रजीस्ट्रेशन फोर्म भरना जरुरी है। रजीस्टर स्पर्धक ही निबंध लेखन के ईनामपात्र होंगे।

४) कोई भी गुजराती, ईंग्लीश या हिदीं भाषा में लिखे हुवे निबंध की मूल (ओरीजनल) कोपी भेजनी है। (झेरोक्स अपने पास रखे।) और जमा करने का कनफोरमेशन 15 Feb बाद संपर्कसूत्र के पास से ले ले।

५) आपके विषय को न्याय देने हेतु उसका स्वरुप, उद्देश, प्रभाव, गुण (लक्षण) को सहद्रष्टांत लिखे। सुंदर लिखावट और भाषा शैली सुचारु होनी आवश्यक है, उस पर ज्यादा ध्यान दिया जाएगा।

६) निबंध पेज के एक ही तरफ लिखे। (आगे - पिछे नहीं)

७) इनाम विजेता तथा निबंध संबंधी किसी भी प्रकार के निर्णय, निर्णायको का आखरी माना जाएगा। और सर्व स्पर्धको को बंधनकर्ता रहेगा। विवाद / दावा / दलिल न करे ।

## लेखित निबंध स्पर्धा के ईनाम

| | | |
|---|---|---|
| प्रथम<br>₹ 51,000/- | द्वितीय<br>₹ 31,000/- | तृतीय<br>₹ 21,000/- |
| चतुर्थ<br>₹ 15,000/- | पंचम<br>₹ 11,000/- | षष्ठ<br>₹ 7,500/- |
| सप्तम<br>₹ 5,000/- | अष्टम<br>₹ 2,500/- | नवम<br>₹ 1,100/- |

२७ स्पर्धको को ₹५००/- दिए जाएगा।

## रीयल लाईफ के रोयल सब्जेक्ट (कोई भी एक निबंध लीखे)।

१ जैन धर्म विश्व में सर्व श्रेष्ठ धर्म है। किन किन नियमों और कारण के आधार पर? लिखे।

२ देव - गुरु - धर्म का मौलिक स्वरुप क्यां है? उनके प्रभाव की अनुभूति किस प्रकार हो सकती है।

३ जैन भूगोल के अनुसार किन स्थानों से मोक्ष प्राप्ति हो सकती है ? उसके स्वरुप का वर्णन किजीए।

४ छ आवश्यक के व्यवहार लभो को सचोट से लिखिए।

५ जैन शासन के व्यवहार मार्ग और निश्चय मार्ग की महत्ता समझाए।

६ सांसारिक, धार्मिक और आध्यात्मिक समस्याओ के निराकरण हेतु में क्यां क्यां कर सकते है?

७ किसी भी १५ धर्मग्रंथ या १५ अच्छे पुस्तको के परिचय दिजीये, पसंदगी के कारणसह लिखे।

८ जैन धर्म का गौरव किस में समाहित है? उसके प्रसार और प्रचार के लिए क्यां क्यां कर सकते है?

९ पांच प्रतिक्रमण में से किसी भी १० मनपसंद सूत्रो का चिंतन मनन लिखे।

१० जीवनकी सफलता - सार्थकता और सिद्धि किस में है? उसे किस तरह से प्राप्त कर सकते है?

११ जैन तत्त्वज्ञान में क्यां क्यां समाविष्ट है? उसे जीवनोपयोगी किस तरह से बना सकते है?

१२ जैन धर्म का बाह्य और अभ्यंतर स्वरुप क्यां है? वह स्वरुप दर्शन का उदेश क्यां है?

१३ चित्त शांति के विविध उपाय क्यां है? उसे व्यवहार में कैसे ला सकते है?

१४ जैनीझम के अनुसार पर्यावरण का रक्षण कैसे और किस हद तक कर सकते है?

१५ जैन धर्म के मर्म और रहस्य आत्म उपयोगी किस तरह होते है लिखिए।

English Subjects Available In jainuniversity.org

एकस्ट्रा निबंध लिखना हो तो जैन धर्म संबंधी आपकी पसंदगी के स्पेश्यलाईझ विषय पर लिखे। जैसे की अध्यात्म, साहित्य, ध्यान, संस्कृती, विज्ञान और धर्म, वर्तमान आचार-आहार, विगेरे CURRENT विषय। उसका ₹ ११००० /- अलग से विजेता को दिया जाएगा।

आपकी शकित कम मत गिनना, और लिखने में विलंब मत करना

प.पू. साधु-साध्वीजी भगवंतो भी निबंध भेज सकते है। यथायोग्य समुदायसह पूज्यश्री के नाम सबहुमान सरस्वती प्रसाद में अनुमोदना के साथ लिखे जायेंगे।

## लाभार्थी परिवार

**मातुश्री शारदाबेन रमणलाल शाह, सायन**

**श्री सरस्वती भक्ति ग्रुप परिवार**

**श्री गुरुभक्त परिवार – सायन, मुंबई**

**एक सद्गृहस्थ परिवार – सायन, मुंबई**

**श्रीमती कुमुदबेन – उषाबेन ह. माहिर, सायन**

**शेठश्री नलीनकांत गीरधरलाल शाह**
**हाल सायन (वढवाणवाले)**

नम्र विनंती यह अभियान की देरासर, उपाश्रय, पाठशाला, महिलामंडलो में प्रेरणा करे।

| | | |
|---|---|---|
| मुख्य संपर्क - मुंबई<br>नीशीतभाई : 9324328983 | मुख्य संपर्क - मुंबई<br>भरतभाई : 9869568644 | चेन्नई<br>कपिलभाई : 9500024739 |
| बैंगलोर<br>धर्मिलभाई : 9343867860 | कलकत्ता<br>तुषारभाई : 9830177231 | दील्ही<br>भाविनभाई : 01140506444 |
| अहमदाबाद<br>मनीषभाई : 9925142814 | सुरत<br>जयेशभाई : 9409349596 | बरोडा<br>दीलीपभाई : 9998394567 |
| जोधपुर<br>राकेशभाई : 9461088688 | नासिक<br>प्रज्ञेशभाई : 9420000036 | जलगांव<br>अमृतभाई : 9422781859 |
| ईंदोर<br>अदिति : 8962717277 | रतलाम<br>अभिषेकभाई : 9340683938 | जयपुर<br>संजीवभाई : 7891711249 |
| पुना<br>चिरागभाई : 9850069490 | मदुराई<br>प्रविणभाई : 9486301370 | कोईम्बतुर<br>मुकेशभाई : 9443475806 |
| AUSTRALIA<br>चिंतनभाई : +61425727973 | U.S.A.<br>दीपेनभाई : +1(412)9659526 | U.K.<br>मुकेशभाई : 00447904744687 |

ज्यादा संपर्क सूत्र jainuniversity.org पर से प्राप्त करे।

Scan to visit jainuniversity.org

निबंध लिखो... ईनाम जीतो...

हर वोट्सप ग्रुप में भेज कर पुण्य के सहभागी बने।

Tirth GRAPHICS 8097731183